Name.....

www.creativeworksheetshub.com

# दुःखी कोयल

रानी कोयल अपने शरीर के रंग को देखकर बहुत ही दुःखी थी। एक दिन वह इस बात की शिकायत अपनी दोस्त बुलबुल चिड़िया से करती है। वह बुलबुल चिड़िया से कहती है : कि मैं अपने शरीर के रंग को देखकर बिल्कुल भी खुश नहीं हूं।

बुलबुल चिड़िया उसे समझते हुए कहती है : कोयल तुम सुंदर दिखती हो। हमें तो तुम बहुत अच्छी लगती हो। लेकिन कोयल कहती है कि नहीं, मेरी आवाज तो बहुत अच्छी है पर मेरा रंग काला है।

बुलबुल चिड़िया उसे समझाती है कि, हां तुमने सही कहा कि तुम्हारा रंग काला है ,लेकिन तुम यह भी तो सोचो कि तुम्हारी आवाज कितनी मीठी है ,कितनी सुरीली आवाज है।
आगे बुलबुल चिड़िया कहती है कि तुम्हें यह सोच कर के खुश रहना चाहिए कि तुम्हारी आवाज कितनी मीठी है।

हमें हमेशा हमारे पास जो चीज है उसके बारे में सोच कर खुश होना चाहिए। ना कि जो चीज नहीं है, उसके बारे में सोच कर दुःखी। बुलबुल चिड़िया की बात कोयल को बहुत अच्छी लगती है, और वह खुश हो जाती है।